

Manish Goswami की मेरी अपने गांव के अलावा उन्नत्य गांव के पुरुषों के पुरुषों का जवाब देने के लिए वाध्य नहीं है।

उ०-६ संसार में सुरक्षी व्यक्ति वह है जो किसी की चिंता नहीं करता और स्थान है जोर से जाता है, और दुर्घटी व्यक्ति भृत्य की रद्दास जी है, जो लोगों की चिंता करते हैं।

उ०-७ अपने सभागांव को निर्मल रखने के लिए करीर बैं बताया है कि इमें अपने आस पास निंदक रखने चाहिए ताकि वे इसे अपने इमें द्वारी जुराइयों से अबगत करा सके और इस उन जुराइयों को अपने अंदर से हुर कर सकें।

उ०-८ उदाहरण की व्यक्ति परोपकारी होता है वह अपना सरा अधिक जीवन दुसरों की भलाई में लगता है, उनकी भलाई के लिए अपने प्राण भी गवा देता है।

उ०-९ कथावाचक और इष्टिकार दरिद्र काका के बीच संबंधों के दो कारण -

- १- कथावाचक और दरिद्र कक्षास्क दी गांव के द्वे,
- २- कथावाचक और दरिद्र काका एक अच्छे मित्र हैं, और कथावाचक को इपटला मित्र दरिद्र काका दी द्वे,

उ०-१० कवि ने यशस्वी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है, जिसे मरने के बाद जब याद करे, जो परोपकार के लिए अपने प्राण भी की जाती ही लगा है, भी निश्चावर कर दे।

Manish Goswami

Name - Manish Goswami

Class - 10<sup>th</sup> A

Sec - C

ROLL NO - 13

Date - 5/10/2020

**उत्तर**  
**30-1** कथानायक की जूधि एवेल-क्रूद में, कागजों की तितलियाँ लगाने, कंकरियाँ उछालने, फाटक पर चबार होकर उसे मोटर कार पर लगा भर्ती करने में थी,

**30-2** दुसरी बार पास छोड़े पर द्वितीय छोटे झाई के अवधार में पह परिवहन आपा की बद अब पढ़ाई के प्रति लपरबाद हो गया था, बद उपना भूरा समय एवेल-क्रूद में बिता था, बद भर्ती लगा की बद पह बद माना बद पह पास तो ही ही जासगा,

**30-3** जडे झाई साइब छोटे झाई के कठिन पश्चिम ब एवेल-क्रूद के स्थान पर पाठ्ना पढ़ने की सलाह देते थे, क्योंकि बद उपने जीवन में जी भसी ज्ञात का पालन करते थे,

**30-4** ततोरा और बामीरो की गाँव की यह रीती थी, कि विवाह के लिए दोनों को सक ही गाँव का दोनों अनिवार्य है,

**30-5** बामीरो ने ततोरा को बैसरवी से जवाब देते हुए, कहा की कौन हो तुम, जो मुझे कस तरह प्यर रहा है, और उसना कहा

### चाठ-8 हरिहर काका

- उत्तम-1. कथावाचक और हरिहर काका के दीए कपा संबंध है और इसके कपा करणा है। हरिहर काका और कथावाचक (विश्वक) दोनों के दीए में यह ही महुर एवं आलौच संबंध में वर्णित होनी एवं कथावाचक की गाँव के दंड दोनों का ही सम्बन्ध करता था और उनमें हरिहर काका एक दोनों विभावित करता है-
1. हरिहर काका कथावाचक के पहुँचने से।
  2. कथावाचक की गाँव के अनुसार हरिहर काका ने उके बपापत में बहुत प्यार किया था।
  3. कथावाचक के बढ़े होने पर उसकी घटनी दोनों हरिहर करवा के साथ ही हड़े थी। दोनों आपले में बहुत ही दे कर छाने करते थे।
- उत्तम-2. हरिहर काका को महत और अपने जाहे एक ही बीजी के बड़े बदले लगो?
- उत्तम- हरिहर काका एक ज़िन्दगान दबोचत थे। उनके बजा पद्धत दीये उत्तीर्ण थी। हरिहर काका के अनुबाद से पहाड़े। उनकी दृष्टि देखभाव की परतु धीर-धीरे उनकी विविधी से करवा के साथ दुखहराहर करता थुक्क कर दिया। वह उसे उके बड़े पाल याद ली यह बहना-मुसासाकर काका ने ताकुवाली से आए और उन्हें वही राजक उमरी दे देता थी। साथ ही उन्होंने काका से उनकी पद्धतु दीये जानी लाकुवाली के जल विश्वासी की काल थी। करवा ने उके दृष्टि करते हो मन विश्वा ते महत ने उन्हे मार-पीटकर जबरदस्ती करवाने पर अंदूक लगवा दिया। बात पर दोनों पर्दी से उमरकर झलका हुआ। दोनों ही पक्ष स्वाक्षी थे। हरिहर काका को बुढ़ा नहीं दुष्ट देने चाह उत्तम है। उमरका हित नहीं अद्वितीय राजदूतों के बहुत में थे। दोनों का लक्ष्य उत्तीर्ण हृषियामन था। उसके लिए दोनों ने ही काका के साथ उनके बड़े प्रदीप किया। इसी कारण हरिहर काका ने अपने जाहे और महत एक ही बीजी के लक्ष्य लगो।
- उत्तम-3. उत्तम- लाकुवाली के पाति दीये काली के जल से अपार बद्ध के जो भाव हैं उमरी उमरी विश्वा मनोभूलि कर बजा यज्ञमा है। लाकुवाली के पाति दीये काली के जल से अपार बद्ध के जो भाव हैं उमरी उमरी लाकुर जी के पाति स्त्रियत भावहर। अविवेकता देम लक्ष्य विश्वास को जल यज्ञम है। के अपने प्रत्येक जाति की स्पर्शका का कारण लाकुर जी वे बूजा का मानदू है।
- उत्तम-4. उत्तम- हाते हुए भी हरिहर काका दुगिला की बेहतर बज्जू रखते हो बहनों के अलावा चर लक्ष्य दीर्घिया। उत्तम- हाते हुए भी हरिहर करवा दुर्लिया भी बेहतर लग्जा रखते हो। वे असते हो कि जब तक उनकी उत्तीर्ण-जायदाद पास है, तब तक सभी उमरा भाईर बदहो हैं। लाकुवाली के महत उन्होंने इतरिए लग्जाहो हैं क्योंकि वह उनकी उत्तीर्ण-लाकुवाली के जल करवाया पहुँचते हैं। उनके बड़े उमरका जायदाद उमरी के बहाने कारण होते हो अपनी लाकुर विश्वा और के जल विश्वा होती हो। बाद में उनका जीवन तर उन बद्ध था। वे नहीं बहने थे कि उनके साथ भी देखा हो।
- उत्तम-5. हरिहर काका ने जबकि उके जले बाजे लौंग थे। उन्होंने उनके लक्ष्य केमा बरजाव किया?
- उत्तम- महत के सोला पर लाकुवाली के लक्ष्य-सता हरिहर काका ने उठाकर ले ला थे। बहुते उन्हे समझा-मुझाकर साठे काम। लेकुणे का निशान लेने का प्रयत्न किया गया। सरकार त मिलने पर जबरदस्ती निशान लेकर हृष्ट-मौर्य और गेहूं बीप उन्हें बजाए में बद कर दिया गया था।
- उत्तम-6. हरिहर काका के महाने से लंघवाली की बच एय हो और उसके कपा करणा हो?
- उत्तम- हरिहर काका के मामले से गाँव के लोगों के दो बड़े बद नए थे। दोनों ही पक्ष के लोगों ने अपने-पुरनी राज थी। आ

## पाठ-8 हरिहर काका

प्रन-1. कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है और इसके क्या कारण हैं?

त्तर- हरिहर काका और कथावाचक (भेषक) दोनों के बीच में बड़े ही मधुर एवं आत्मीय संबंध थे, क्योंकि दोनों एवं गाँव के निवासी थे। कथावाचक गाँव के चट लोगों का ही सम्मान करता था और उनमें हरिहर काका एक थे इसके निम्नलिखित कारण थे-

1. हरिहर काका कथावाचक के पड़ोसी थे।

2. कथावाचक की माँ के अनुसार हरिहर काका जै उसे बधापन में बहुत प्यार किया था।

3. कथावाचक के बड़े होने पर उसकी पहली दोस्ती हरिहर काका के साथ ही हुई थी। दोनों आपस में बहन ही र कर बातें करते थे।

प्रन-2. हरिहर काका को महत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगते जाने?

त्तर- हरिहर काका एक निःसंतान व्यक्ति थे। उनके पास पद्धत बीपे जमीन थी। हरिहर काका के आइयों ने पहले ; उनकी सूख देखभाल की परंतु धीरे-धीरे उनकी पत्नियों ने काका के साथ दुर्घटनाक हरिहर काका को ठाकुरबारी ले आए और उन्हें वहाँ रखकर उनकी उ सेवा की। साथ ही उसने काका से उनकी पद्धत बीपे जमीन ठाकुरबारी के नाम लिखवाने की बात की। काका ने जब ऐसा करने से मता किया तो महत ने उन्हें मार-पीटकर जबरदस्ती कागजों पर अँगूठा लगवा दिया। बात पर दोनों पक्षों ने जमकर झगड़ा हुआ। दोनों ही पक्ष स्वार्थी थे। वे हरिहर काका को सुख नहीं दुख देने पर उतारे थे। उनका हित नहीं भहित करने के पक्ष में थे। दोनों का लक्ष्य जमीन हथियाना था। इसके लिए दोनों ने ही काका के साथ छल व बल का प्रयोग किया। इसी कारण हरिहर काका को अपने भाई और महत एक ही श्रेणी के लगते जाने।

प्रन-3. ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार अदा के जो भाव हैं उससे उनकी किस गतिवृत्ति जा चलता है?

त्तर- ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार अदा के जो भाव हैं उनसे उनकी ठाकुर जी के प्रति अकिञ्चित आवाना, आस्तिनवाला, प्रेम तथा विश्वास को पता चलता है। वे अपने प्रत्येक कार्य की सफलता का कारण ठाकुर जी की कृपा क मानते थे।

प्रन-4. अनपढ होते हुए भी हरिहर काका दुलिया की बेहतर समझ रखते हैं? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

त्तर- अनपढ होते हुए भी हरिहर काका दुलिया की बेहतर समझ रखते हैं। वे जानते हैं कि जब तक उनकी जमीन-जायदाद पास है, तब तक सभी उनका आदर करते हैं। ठाकुरबारी के महंत उनको इसलिए समझाते हैं क्योंकि वह उनकी जमीन ठाकुरबारी के नाम करवाना चाहते हैं। उनके भाई उनका आदर-सत्करण जमीन के करण करते हैं। हरिहर काका ऐसे क लोगों को जानते हैं, जिन्होंने अपने जीते जी अपनी जमीन किसी और के नाम लिख दी थी। बाद में उनका जीवन नर बन गया था। वे नहीं चाहते थे कि उनके साथ भी ऐसा हो।

प्रन-5. हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले जैल थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बरताव किया?

त्तर- महत के संकेत पर ठाकुरबारी के साथु-संत हरिहर काका को उठाकर ले गए थे। पहले उन्हें समझा-बुझाकर साटे कागड़ अँगूठे का निशान लेने का प्रयास किया गया। सफलता न मिलने पर जबरदस्ती निशान लेकर हाथ-बैंध और मुँह बोप उन्हें कमर में बद कर दिया गया था।

प्रन-6. हरिहर काका के मामले में गाँववालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे?

त्तर- हरिहर काका के मामले में गाँव के लोगों के दो वर्ग बन गए थे। दोनों ही पक्ष के लोगों की अपनी-अपनी राय थी। आ